

## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 656वीं बैठक दिनांक 23/06/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
7. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. प्रकरण क्रमांक 8916/2022 – मेसर्स पी.डी. स्टोन, श्री विशाल पहवानी, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर (म.प्र.) स्टोन क्वेरी, खसरा नं. 125/2/3, रकबा 2.00 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता 10,527 मी.<sup>3</sup>, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर के पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आललाईन प्राप्त यह प्रकरण पत्थर उत्खनन का है और प्रस्तावित स्थल खसरा नं. 125/2/3, रकबा 2.00 हेक्टेयर, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर म.प्र. पर स्थित है ।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 549वीं दिनांक 15/02/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

परियोजना प्रस्तावक श्री विशाल पहवानी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर आज दिनांक 04/05/23 को उपस्थित हुए ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जो कोर्डिनेट्स दिये गये हैं एवं माइनिंग प्लान में दिये गये कोर्डिनेट्स के आधार पर जो के.एम.एल. तैयार की गई है उसमें भिन्नता है, अतः समिति की अनुशंसा है कि परियोजना प्रस्तावक इस खदान के डीजीपीएस को-आर्डिनेट प्राप्त कर उनको संबंधित खनिज अधिकारी से प्रमाणीकृत कराकर समिति के समक्ष पुनः ऑन-लाईन (ए.डी.एस. के पश्चात्) प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण में आगामी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके ।

## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर दिनांक 02/06/23 को अपलोड कर दी गई है, प्रकरण आज दिनांक 23/06/23 को समिति के समक्ष रखा गया है। परियोजना प्रस्तावक श्री विशाल पहवानी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त समिति द्वारा चाही गई जानकारी के संदर्भ में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) क्रमांक 1123 दिनांक 31/05/2023 का पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें माइनिंग प्लान में दिये गये कोर्डिनेट्स को ही मान्य करने का अनुरोध किया गया है।

अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है, प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर-पूर्वी दिशा में 240 मीटर पर आबादी और पश्चिमी दिशा में 531 मीटर पर पक्का रोड़, पूर्वी दिशा में 84 मीटर पर कच्चा रोड़ होना परिलक्षित होता है। उपरोक्त संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया पूर्वी दिशा में 84 मीटर पर जो कच्चा रोड़ स्थित है वह हॉलेज रोड़ है, सार्वजनिक रास्ता नहीं है एवं प्रस्तावित खनन क्षेत्र में कंट्रोल ब्लॉस्टिंग प्रस्तावित है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा पेयजल की व्यवस्था, सड़क का निर्माण, वृक्षारोपण, विद्यालय में शैक्षणिक, ड्रेस, पुस्तकें एवं खेल-कूद सामग्री की व्यवस्था, मुक्ति धाम में पानी की व्यवस्था इत्यादि बिन्दुओं पर सुझाव/आपत्तियां प्रस्तुत की गई जिसके संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इनको ई.एम.पी./सीईआर में समुचित बजट प्रावधान के साथ शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर लगातार जल छिड़काव किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज न. 49 के सरल क्रमांक 99 पर दर्ज है। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के अक्षांश-देशांश दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये क्षेत्र में कुछ अन्य खदानें परिलक्षित हैं तथा उक्त खदानों में ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के संबंध में जिला खनन कार्यालय से इनकी स्थिति के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,527 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपिटल राशि रु. 16.33 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.40 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ

राशि(रु.में)

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

ग्राम रंगवासा के मुक्तिधाम में पौधों के लिए पानी की व्यवस्था के लिए हेण्ड पम्प लगवाया जायेगा	50,000
ग्राम रंगवासा में गरीब बच्चों के लिए किताबें, गणवेश और खेल के उपकरण की व्यवस्था	1,10,000
<b>योग</b>	<b>1,60,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सु आदि।	270
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	250
3.	खदान पट्टे से ग्राम रंगवासा तक जाने वाली कच्ची रोड के दोनों तरफ मीटर की लम्बाई तक पौधे 400 <sup>1</sup> लगाए जायेंगे पौधों की उचाई मीटर राखी जाएगी	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	200
4.	खदान के पूर्व दिशा में मीटर की 84 दूरी पर जो कच्चा रोड परसडक के एक साइड में 300 मीटर लम्बाई तक दो लाइन में पौधे लगाए जायेंगे।	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	150
5.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	1530
			2400

**2. Case No 9969/2023 Shri Roop Kachchhawa, Lessee, R/o Bass Gadi Kuwa, Tausar, District-Nagaur (RJ)-341001, Prior Environment Clearance for Fusariya Stone for M-Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (30000 cum per year) (Khasra No. 1248), Village-Fusariya, Tehsil-Singoli, District-Neemuch (M.P.).**

This is case of Stone for M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1248), Village-Fusariya, Tehsil-Singoli, District-Neemuch (MP) 4.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री रूप कच्छावा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 410 दिनांक 10/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है, प्रकरण में अनुमोदित खनन योजना के अनुसार खनन कार्य में ब्लास्टिंग प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा में 20 मी. की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है, दक्षिण-पूर्व दिशा में लगभग 87 मी. की दूरी पर शेड है, पश्चिम दिशा में 170 मी. की दूरी पर एक प्राकृतिक नाला है एवं खदान क्षेत्र के अंदर कुछ पेड़ हैं। परियोजना प्रस्तावक ने इस संबंध में बताया कि उत्तर-पूर्व दिशा में 20 मी. की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है इसके लिये 30 मी. का सेटबैक प्रस्तावित है, दक्षिण-पूर्व दिशा में लगभग 87 मी. की दूरी पर शेड है, वह पत्थर कटिंग का स्टोरेज है एवं इसके लिये 20 मी. का सेटबैक प्रस्तावित किया गया है। पेड़ों के संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान क्षेत्र के अंदर लगभग 40 पेड़ हैं जो कि बबूल एवं खेजड़ी प्रजाति के हैं, इनमें से 34 पेड़ काटे जाना प्रस्तावित है जिसके एवज में 340 अतिरिक्त पेड़ लगाये जाना प्रस्तावित है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) ने पत्र क्रमांक 410 दिनांक 10/04/23 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जावेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता M-Sand Quarry - 30000 cum per year
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपिटल राशि रु. 33.79 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.85 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में )
ग्राम फुसरिया के आंगनवाड़ी केन्द्र में टंकी का निर्माण एवं वॉटर पम्प लगवाकर पिने के पानी की व्यवस्था की जाएगी	20,000/-
ग्राम फुसरिया के सरकारी विद्यालय में बालिकाओ व बालको के लिए शोचायालय एवं पानी के लिए ओवर हेड टैंक का निर्माण किया जायेगा एवं उसमे वॉटर पम्प लगवाया जायेगा	70,000
ग्राम फुसरिया उपस्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रभारी के परामर्श से उपकरण दिए जायेंगे	60,000
योग	1,50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	पलाश, नीम, सीताफल, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सो आदि।	1000
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल आदि	1000
3.	आस पास के पांच गाव महाराजपुरा, फुसरिया, बड़ी, जीवपुरा, चकसोडिजर के किसानों को पौधे वितरण किये जायेंगे	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, आदि	2800
		योग	4800

3. प्रकरण क्रमांक 8993/2022 - श्री उपेन्द्र सिंह, मकान न. 752 जखोरा, तहसील एवं जिला ललितपुर (उ.प्र.) स्टोन क्वेरी, खसरा नं. 443/1, रकबा 03.292 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता स्टोन-23,256 मी.<sup>3</sup>, ग्राम लहदपुरा, तहसील ईशगढ़ जिला-अशोकनगर (म.प्र.) के पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आललाईन प्राप्त यह प्रकरण पत्थर उत्खनन का है और प्रस्तावित स्थल खसरा नं. 443/1, रकबा 3.292 हेक्टेयर, ग्राम लहदपुरा, तहसील ईशगढ़ जिला-अशोकनगर (म.प्र.) पर स्थित है।

## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 554वीं दिनांक 23/02/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण आज सेक की 646वीं बैठक दिनांक 15/05/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईएए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

परियोजना प्रस्तावक श्री उपेन्द्र सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसर्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल एमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के पूर्व दिशा में 60 मी. की दूरी जलाशय होना परिलक्षित होता है खदान के अंदर दक्षिणी ओर से एक प्राकृतिक नाला निकल रहा है एवं खदान के उत्तर-पूर्वी दिशा से दक्षिण-पूर्वी दिशा में 18 मी. की दूरी से हाई टेंशन लाईन निकल रही है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 60 मी. की दूरी जलाशय एवं खदान के अंदर दक्षिणी ओर प्राकृतिक नाला निकलने के कारण एवं उत्तर-पूर्वी दिशा से दक्षिण-पूर्वी दिशा में हाई टेंशन लाईन से 100 मी. तक का क्षेत्र नॉन-माइनिंग एरिया छोड़ा गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कुल 1.772 हेक्टे. नॉन-माइनिंग एरिया एवं 1.52 हे. उपलब्ध माइनिंग क्षेत्र होगा एवं दक्षिण दिशा में सेटबैक खदान स्थल में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 03 पेड़ लगे हैं तथा कोई भी पेड़ काटा नहीं जावेगा।

संबंधित खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज क्र०. 42 सरल क्र०. 12 पर नाम दर्ज है। इस खदान की जनसुनवाई के दौरान वृक्षारोपण, वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल छिड़काव, संड़क रखरखाव, मंदिर में वाऊड्रीवाल बनवाने इत्यादि सुझाव/प्रस्ताव प्राप्त हुए थे जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि इनको ई.एम.पी./सीईआर में समुचित बजट के साथ शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर लगातार जल छिड़काव किया जायेगा। गूगल इमेज में इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 23,256 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 13.78 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 07.48 लाख प्रति वर्ष।

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.02 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

क्र. सं.	गतिविधियाँ	प्रदेय	दर	कुल लागत (रु.)
	ग्राम लहदपुर मध्यमिक विद्यालय लहदपुर में सोलर पैनल का अधिष्ठापन	—	—	40,000
	ग्राम लाहदपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य जांच उपकरण एवं शुगर जांच किट का वितरण	रक्तदाबमापी — 10 थर्मामीटर — 12 स्ट्रेचर— 5 स्टेथोस्कोप— 3 शुगर जांच किट—5	रु. / रु. 3000 प्रत्येक रु. / रु. 100 प्रत्येक रु. / रु. 2500 प्रत्येक रु. / रु. 2100 प्रत्येक रु. / रु. 2500 प्रत्येक	30,000 1200 12,500 6,300 12,500
<b>योग</b>				<b>1,02,500</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3950 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिसो आदि।	1000
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल आदि।	725
3.	सेट-बेक	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल आदि।	1500
4.	ग्रामीणों को पौधों का वितरण	आम, पीपल, कचनार, अमरुद, निम्बू, कटहल, इमली, सीताफल आदि।	725
<b>योग</b>			<b>3950</b>

**4. Case No 8875/2021 Smt. Kalpana Sanvala, Owner, Village - Kasab, Tehsil - Susner, Dist. Agar Malwa, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.40 ha. (8,453 Cum per annum) (Khasra No. 2718), Village - Kasab, Tehsil - Susner, Dist. Agar Malwa (MP) Env. Consultant M/s. Amaltas Enviro Industrial Consultants LLP, Gurugram(Haryana).**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2718), Village - Kasab, Tehsil - Susner, Dist. Agar Malwa (MP) 1.40 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 540वीं दिनांक 08/01/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण का समिति की 643वीं बैठक दिनांक 05/05/23 को प्रस्तुतीकरण हुआ था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री जितेन्द्र सनवाला (अधिकृत प्रतिनिध) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम (हरियाणा) उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान क्षेत्र दो भागों में है। खदान अंदर उत्तर एवं दक्षिण दिशा में एच.टी लाईन के पिलर्स (खम्बे) लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। परियोजना प्रस्तावक ने इस संबंध में बताया कि समिति से टॉर प्राप्त करते समय एच.टी. लाईन/खम्बे स्थापित नहीं थे इन खम्बों का प्रतिस्थापन अन्य क्षेत्र में प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान क्षेत्र का पश्चिमी भाग एच.टी. लाईन होने के बजाह से नॉन माईनिंग एरिया के रूप में छोड़ा जायेगा समिति ने विचार उपरांत परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया कि इस सदर्भ में सक्षम प्राधिकारी से स्पष्ट अभिमत लेकर आये कि एच.टी. लाईन/ खम्बे का प्रतिस्थापन अन्य क्षेत्र किया जायेगा एवं नॉन माईनिंग एरिया में चारागाह विकास का प्रस्ताव शामिल करते हुए ई.एम.पी. में प्रस्तुत करे।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर दिनांक 12/05/2023 को अपलोड कर दी गई है, जिसे समिति की आज बैठक दिनांक 29/05/23 को प्रस्तुतीकरण में रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री जितेन्द्र सनवाला (अधिकृत प्रतिनिध) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम (हरियाणा) उपस्थित हुए। जिसमें परियोजना प्रस्तावक द्वारा कार्यालय, सहायक यंत्री (वि.के.) म.प्र.प.क्षेत्र वि.वि.क. लि०. सुसेनर, जिला- आगर-मालवा के पत्र क्र०. 115 दिनांक 06/04/2023 के माध्यम से सूचित किया कि सर्वे के०. 2718 रकबा 1.4 हे०. के खदान क्षेत्र के पास जो इलेक्ट्रिक पोल लगे हुये थे उन्हें MPEB विभाग द्वारा वहां से पूर्व में दिनांक 10/01/2022 द्वारा हटा दिये गये हैं। इस क्षेत्र पर वर्तमान में इलेक्ट्रिक पोल नहीं है। समिति ने परीक्षण के दौरान पाया कि अपलोडिड गूगल इमेज की दिनांक 29/01/22 है जिसमें इलेक्ट्रिक पोल लगे हुये दिख रहे हैं जबकि संदर्भित पत्र में MPEB विभाग द्वारा



## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

द्वारा बताया गया कि वहां से पूर्व में दिनांक 10/01/2022 द्वारा हटा दिये गये है। अतः इस संबंध में स्पष्ट पुनरीक्षित जानकारी प्रस्तुत करे ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर दिनांक 14/04/23 को अपलोड करदी गई है, प्रकरण आज दिनांक 23/06/23 को समिति के समक्ष रखा गया है । जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री जितेन्द्र सनवाला (अधिकृत प्रतिनिधी) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स अमलतास इन्वायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम (हरियाणा) उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त प्रत्युत्तर के संबंध में कार्यालय सहायक यंत्री (वि.के.) म.प्र.प.क्षेत्र वि.वि. क. लि०. सुसेनर, जिला— आगरा—मालवा के पत्र दिनांक 15/05/2023 के माध्यम से सूचित किया कि सर्वे के०. 2718 रकबा 1.4 हे०. के खदान क्षेत्र के पास जो इलेक्ट्रिक पोल लगे हुये थे उन्हें MPEB विभाग द्वारा वहां से पूर्व में दिनांक 10/01/2022 द्वारा पोल शिफ्टिंग का कार्य प्रारंभ किया गया था जो कि दिनांक 18/02/2022 तक किया जा चुका है। इस क्षेत्र पर वर्तमान में इलेक्ट्रिक पोल नहीं है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता Stone Quarry - 8,453 Cum per annum
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.25 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.69 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.25 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
शासकीय प्राथमिक शाला में प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार झूलों की व्यवस्था	10,000
सुसनेर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	15,000
योग	25,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन	नीम, खमेर, सिरस, चिरोल, करंज, बबूल, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	200
2.	परिवहन मार्ग (पौधों की न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	खमेर, चिरोल, करंज, बीजा, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	300
3.	गैर खनन क्षेत्र	खमेर, चिरोल, करंज, महुआ, सेजा, बीजा एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	300

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

4.	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हरी, महुआ, कबीट, नींबू, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
5.	नगर पंचायत के सहयोग से ग्राम पंचायत के चिन्हित क्षेत्र में	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हरी, महुआ, कबीट, नींबू, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
6.	प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी एवं नगर पंचायत परिसर में	कदम, नीम, खमेर, अशोक, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
कुल			1400

**5. Case No 9966/2023 Shri Vishakha Mandloi R/o-Gumanpura, Bagdi, District-Dhar (MP)-454116, Prior Environment Clearance for Bamoura Murrum Quarry in an area of 4.00 ha. (40000 cum per year) (Khasra No. 98), Village-Bamoura, Tehsil-Ujjain, District- Ujjain (MP)**

This is case of Murrum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 98), Village-Bamoura, Tehsil-Ujjain, District- Ujjain (MP) 4.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री वैसाखा मंडलाई ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम (हरियाणा) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 956 दिनांक 12/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिसका कुल क्षेत्रफल 5.00 हे. से कम है अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि आवंटित खदान के उत्तर एवं पूर्वी दिशा में क्रमशः 97 एवं 85 मी. पर कच्ची रोड है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण मुरुम का होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक को बैरियर जोन में ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल मय जियोटेग फोटोग्राफ के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।

**6. Case No 9967/2023 Shri Nilesh Yadav R/o-LIG Vijay Nagar, District-Dewas (MP)-452010, Prior Environment Clearance for Pitavali Stone for Gitti and M-Sand in an area of 3.60 ha. (Stone-20000 M-Sand-20000 cum per year) (Khasra**

**No. 307/1, 308, 381/1, 383/2, 384/2), Village-Pitavali, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP)**

This is case of Stone for Gitti and M-Sand. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 307/1, 308, 381/1, 383/2, 384/2), Village-Pitavali, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP) 3.60 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री नीलेश यादव ओर उनकी ओर से परियोजना प्रस्तावक श्री विशाल पहवानी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुये।

प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1067 दिनांक 17/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान निजी भूमि पर आवंटित है, प्रकरण में अनुमोदित खनन योजना के अनुसार खनन कार्य मे ब्लास्टिंग प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान दो भागों मे विभक्त है। खदान के उत्तरी दिशा मे 137 मी. की दूरी पर एक प्राकृतिक नाला है तथा खदान के अंदर कुछ पेड़ लगे हुये हैं उक्त संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया खदान क्षेत्र के अंदर कुल 07 पेड़ है जिनमें से कोई भी पेड़ काटा जाना प्रस्तावित नहीं है एवं खदान दो भागों मे विभक्त है उसमें छोटे वाले भाग (पूर्वी ओर) में एम. सेण्ड का प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रकरण के परीक्षण के दौरान पाया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा उल्लेखित खसरा न0. 307/1 का भू-स्वामित्व श्री पप्पू के नाम पर है एवं इस बाबत परियोजना प्रस्तावक एवं भू-स्वामित्व श्री पप्पू के मध्य कोई एग्रीमेंट हुआ है इस संबंध में प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाये। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास ने पत्र क्रमांक 1069 दिनांक 17/04/23 के द्वारा सूचित किया है कि उपरोक्त उत्खनिपट्टा में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण (उत्खनिपट्टा संचालन) होने जाने के उपरांत नवीन डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर ली जावेगी।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये:-

1. आवेदित खसरा न0. 307/1 का भू-स्वामित्व श्री पप्पू के नाम पर है एवं इस बाबत परियोजना प्रस्तावक एवं भू-स्वामित्व श्री पप्पू के मध्य कोई एग्रीमेंट प्रस्तुत नहीं किया गया है, अतः वांछित जानकारी प्रस्तुत करें।
2. प्रस्तावित एम. सेण्ड प्लांट से निकलने वाली स्लरी का मैनेजमेंट प्लान प्रस्तुत करें।

**7. Case No 9970/2023 Shri Yogendra Tomar, Lease Owner, R/o A/131, Ward-22, Phase-3, SPM Colony, District-Hoshangabad (MP)-461001, Prior Environment Clearance for Rampura Chikaldi Stone Mine in an area of 2.00 ha. (22800 cum per year) (Khasra No. 42/1/1), Village-Chakaldi, Tehsil-Nasrullaganj, District-Sehore (MP)**

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 42/1/1), Village-Chakaldi, Tehsil-Nasrullaganj, District-Sehore (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री योगेन्द्र तोमर ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरीज इंनवायरोटेक इंडिया प्रा. लि. लखनऊ आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1017 दिनांक 26/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। खदान निजी भूमि पर आवंटित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार उत्तर-पश्चिमी दिशा में लगभग 65 मी. की दूरी पर एक कच्चा रोड़ है एवं खदान के अंदर से दक्षिणी-पश्चिमी ओर से उत्तर-पूर्वी दिशा में एक प्राकृतिक नाला निकल रहा है। समिति ने प्रस्तुतीकरण के पश्चात प्राकृतिक नाले के परिपेक्ष्य में आवश्यक स्थानवार मापदण्ड छोड़ने के पश्चात् पुनरिक्षित सर्फेस मैप के साथ यह भी स्पष्ट करें कि सेटबैक छोड़ने के पश्चात उपलब्ध खदान क्षेत्र में आवेदित मात्रा हेतु उपलब्ध हो सकेगी?

**8. Case No 9962/2023 Shri Jitendra Hingad, R/o- 60, Sadar Bazar, Badawada, Tehsil-Jaora, District-Ratlam (MP)-457226, Prior Environment Clearance for Fachriya Stone (Gitti) Quarry in an area of 1.00 ha. (5000 cum per year) (Khasra No. 226), Village-Fachriya, Tehsil-Jaora, District-Ratlam (MP)-**

This is case of Stone (Gitti) Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 226), Village-Fachriya, Tehsil-Jaora, District-Ratlam (MP) 1.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री जितेन्द्र हिंदद ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सकसेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1054 दिनांक 29/05/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

## 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2023

खदान निजी भूमि पर आवंटित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान क्षेत्र खुदा हुआ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि तथा हमें यह खदान इसी स्थिति में प्राप्त हुई है एवं तत्संबंध में विवरण अनुमोदित खनन योजना में दर्शाया गया है।

परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-4 के सरल क्रमांक-22 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता Stone (Gitti) 5000 cum per year.
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपिटल राशि रु. 16.80 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.69 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में )
ग्राम बड़ावदा के शासकीय एकीकृत कन्या माध्यमिक विद्यालय में कम्प्यूटर के एवं प्रिंटर दिया जायेगा	50,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, सीताफल, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सो आदि।	360
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	620
3.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, आदि	220
योग			1200

9. **Case No 9963/2023 Shri Harsh Mehta, R/o- 40, Mahashweta Nagar, District-Ujjain (MP)-456010, Prior Environment Clearance for Badkumed Stone Quarry for Gitty & M-Sand in an area of 4.00 ha. (Stone-54000 & M-Sand-66000 cum per year) (Khasra**

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

**No. 510, 512/1, 512/2, 512/3, 513), Village- Badkumed, Tehsil & District-Ujjain (MP)**

This is case of Stone Quarry for Gitty & M-Sand. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 510, 512/1, 512/2, 512/3, 513), Village- Badkumed, Tehsil & District-Ujjain (MP) 4.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री हर्ष मेहता ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार र्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1145 दिनांक 16/05/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान निजी भूमि पर आवंटित है जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के दक्षिण-पश्चिमी एवं उत्तरी-पूर्वी दिशा में क्रमशः 10 एवं 21 मी. की दूरी पर कच्चा रोड़ है तथ दक्षिण-पश्चिमी दिशा में 500 मी. की दूरी पर एक जल निकाय क्षेत्र है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि कच्चे रोड़ के परिपेक्ष्य में स्थानवार मापदण्ड छोड़ने के पश्चात पुनरिक्षित सर्वेस मेप प्रस्तुत किया गया है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम ने पत्र क्रमांक 1145 दिनांक 16/05/23 के द्वारा सूचित किया है कि जिले की डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट वर्ष 2022-23 में बनी है, तत्पश्चात् उक्त पत्थर केशर उत्खनिपट्टा पट्टा अनुमति प्रदान की गई है। नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर ली जावेगी।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता Stone - 54000 cum per year & M-Sand-66000 cum per year.
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपिटल राशि रु. 31.19 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.21 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में )
सुरजनवासा आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं के लिए शौचालय मय पानी की टंकी का निर्माण किया जायगा एवं उसमें वॉटर पम्प लगवाया जायेगा	75,000
सुरजनवासा उपस्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रभारी के परामर्श से उपकरण दिए जायेंगे	1,25,000
<b>योग</b>	<b>2,00,000</b>

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, सीताफल, चिरोल, जंगल जलेबी, गुग्गल, सफेद कस्टार, सिस्सु आदि।	800
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	1000
3.	आस पास के पांच गाव बरकुमेद, केसूनी, सुरजनवासा, हरसोधन, जीवनपुर के किसानों को पौधे वितरण किये जायेंगे	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, आदि	2400
4.	नॉन माइनिंग क्षेत्र में किया जाने वाला पौधा रोपण (0.4420)	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, सीताफल, चिरोल, जंगल जलेबी, गुग्गल, सफेद कस्टार, सिस्सु आदि।	600
<b>योग</b>			<b>4800</b>

**10. Case No 9964/2023 Shri Kamlesh Kumar, Manager, M/s M.G. Contractors, Private Limited, R/o-Head Office-MG House, Plot No. 376, Phase-1, Industrial Area, Panchkula (Haryana)-134113, Prior Environment Clearance for Dongarpur Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (10000 cum per year) (Khasra No. 214), Village-Dongarpur, Tehsil-Beerpur, District-Sheopur (MP)**

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 214), Village-Dongarpur, Tehsil-Beerpur, District-Sheopur (MP) 1.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री कमलेश कुमार ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम राघव, मे0. ग्रीन सर्कल आई.एन.सी. बडोदरा (गुजरात) आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 3517 दिनांक 26/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है तथा ब्लास्टिंग प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार दक्षिण-पश्चिम दिशा में 278 मी. की दूरी पर एक पक्का रोड़ है एवं > 500 मी. की दूरी पर एक नहर स्थित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि खदान क्षेत्र के अंदर झाड़ी प्रजाति के पौधे हैं। प्रभारी अधिकारी(खनिज शाखा) जिला-श्यापुर द्वारा एकल पत्र क्र0. 3517 दिनांक 26/04/23 द्वारा उल्लेख किया है, कि आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त स्वीकृत उत्खनिपट्टा का नाम सूची में जोड़ा जाकर अद्यतन करवा लिया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता Stone Quarry -10000 cum per year.
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपिटल राशि रु. 08.18 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.13 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में )
रघुनाथपुर के शासकीय चिकित्सालय में चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से आवश्यकतानुसार सामग्री उपलब्ध कराई जावेगी।	50,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- खमेर, कालासिरिस, सफेदसिरिस, बबूल, पीपल, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सू सफेद कस्टार, करंज आदि।	400



**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01.5 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- नीम, खमेर, पीपल, करंज, चिरोल, बरगद, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, सिस्सू आदि।	200
3.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आमला, आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, अनार, कटहल आदि।	600
योग			1200

**11. Case No 9318/2022 M/s Alakhananda Stone Mill, Partner Shri Rajeev Gupta, Village - Prakash Bamhori, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur, MP - 471510 Prior Environment Clearance for Stone Query in an area of 4.650 ha. (Total Production – 2,50,000) Stone, Boulder – 1,50,000 cum per annum, M-sand – 1,00,000 cum per annum (Khasra No. 151 Village - Dhujaura, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur, (MP))**

This is case of Stone & Boulder Query. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 151 Village - Dhujaura, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur (M.P.) 4.650 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 596वीं दिनांक 23/09/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव गुप्ता (ऑनलाईन) और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री मुकेश कावरे, मेसर्स क्रेएटिव इंवायरो सर्विसेस, भोपाल आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल एमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान पहाड़ पर स्थित है जो कि धरातल से लगभग 41 मी. की उंचाई पर स्थित है। खदान के पश्चिमी दिशा में लगभग 100 मी. की दूरी पर पक्का रोड़ है खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-144 के सरल क्रमांक-124 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्न जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये:-

1. प्रश्नाधीन खदान में ब्लास्टिंग प्रस्तावित है अतः पश्चिमी दिशा में लगभग 100 मी. की दूरी पर पक्का रोड़ होने के वजह से स्थानवार मापदंड अनुसार सेटबैक छोड़ा जाना प्रस्तावित है जिसको सर्वेस मेप में दर्शाते हुये स्पष्ट करें कि इस खदान में खनन योग्य क्षेत्र कितना उपलब्ध होगा।

2. प्रस्तुत सर्वेस मेप मे सेटलिंग टैंक की स्थिति एवं रिटेनिंग वॉल की स्थिति तथा एम.सेण्ड प्लांट की स्थिति नहीं दर्शायी गई है अतः टोपोग्राफी अनुसार सेटलिंग टैंक की स्थिति सर्वेस मेप मे दर्शाते हुये प्रस्तुत करे।
3. सेटलिंग टैंक की एवं रिटेनिंग वॉल मे होने वाले व्यय को ई.एम.पी. मे आवश्यक बजट के साथ प्रस्तुत करे।
4. प्रस्तावित एम. सेण्ड प्लांट प्रोसेस के फलो डायग्राम के साथ स्लरी का मैनेजमेंट प्लान प्रस्तुत करें।
5. स्वाईल प्रोफाईल प्रस्तुत नहीं की गई है अतः बैरियर जोन में ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल मय जियोटेग फोटोग्राफ ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे।

**12. Case No 9968/2023 Shri Ankit Sharma, Owner R/o Ward No. 6, Durga Nagar, Bareth Marg, Ganjbasoda, District-Vidisha (MP)-464221, Prior Environment Clearance for Rusalli Choubisa Crusher Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (4001 cum per year) (Khasra No. 499), Village-Rusalli Choubisa, Tehsil-Gulabganj, District-Vidisha (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 499), Village-Rusalli Choubisa, Tehsil-Gulabganj, District-Vidisha (MP) 1.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण आज सेक की 656वीं बैठक दिनांक 23/06/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते है तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

**13. Case No 8867/2021 Shri Vishnu Singh, Owner, 22, Dhar Road, Jawahar Tekri, Sinhasa, Dist. Indore, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (ROM - 21052 Cum per annum, Stone - 20000 Cum per annum, Murrum as overburden - 1052 Cum per annum) (Khasra No. 62/1/2/1), Village - Rangwasa, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP) Consultant Shri Amit Saxena Apex Mintech Udaypur (Rj.)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 62/1/2/1), Village - Rangwasa, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP) 4.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

**656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 23 जून 2023**

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 540वीं दिनांक 08/01/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण आज सेक की 656वीं बैठक दिनांक 23/06/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

**14. Case No 9973/2023 Ms. Vaishali Baghel, Lessee, R/o Village-Naugai, Tehsil-Chitrangi, District-Singrauli (MP)-486885, Prior Environment Clearance for Mauhariya Stone Quarry in an area of 2.40 ha. (55860 Cum per year) (Khasra No. 20), Village-Mauhariya, Tehsil-Chitrangi, District-Singrauli (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 20), Village-Mauhariya, Tehsil-Chitrangi, District-Singrauli (MP) 2.40 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक वैशाली बघेल (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम राघव, मे0. ग्रीन सर्कल आई.एन.सी. बडोदरा (गुजरात) आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1533 दिनांक 03/05/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 04 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है, परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 50 मीटर पर पक्का रोड है अतः माननीय एनजीटी के ओए नं. 304/2019 एवं सीपीसीबी के दिशा निर्देश अनुसार खनन प्रक्रिया में ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम दूरी 200 मीटर की दूरी के स्थानवार मापदण्ड तय है, जिसके परिपालन में पक्का रोड से निर्धारित दूरी 200 मीटर छोड़ने के फलस्वरूप इस खदान में खनन योग्य कितना क्षेत्र उपलब्ध होगा इनके संरक्षण हेतु कार्य योजना परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे। खदान क्षेत्र के अंदर कुछ पेड़ दिख रहे हैं अतः ट्री इन्वेन्ट्री के साथ इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के संबंध में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिंगरौली द्वारा पत्र क्र0. 187 दिनांक 19/01/2022 द्वारा सूचित किया गया है कि उत्खनिपट्टा को संचालन संबंधी सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत सम्मिलित कर लिया जायेगा। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज

अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये क्षेत्र में कुछ अन्य खदानें परिलक्षित हैं तथा उक्त खदानों में ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के संबंध में जिला खनन कार्यालय से इनकी स्थिति के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है ।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है:-

1. खदान के पूर्व दिशा में 50 मीटर पर पक्का रोड है अतः माननीय एनजीटी के ओए नं. 304/2019 एवं सीपीसीबी के दिशा निर्देश अनुसार खनन प्रक्रिया में ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम दूरी 200 मीटर की दूरी के स्थानवार मापदण्ड तय है, जिसके परिपालन में पक्का रोड से निर्धारित दूरी 200 मीटर छोड़ने के फलस्वरूप इस खदान में खनन योग्य कितना क्षेत्र उपलब्ध होगा इनके संरक्षण हेतु कार्य योजना परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे ।
2. खदान क्षेत्र के अंदर कुछ पेड़ दिख रहे हैं अतः ट्री इन्वेन्ट्री के साथ इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करे ।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
8. परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करे जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो ।

**15. Case No 9971/2023 Shri Sayyad Ali, Proprietor, R/o 1, Wahid Villa, Wahid Nagar, Old Bypass, Jaora Road, District-Ratlam (MP)-457001, Prior Environment Clearance for Sanwaliyarundi Stone Mine in an area of 7.00 ha. (Stone-74100, M-Sand-74100 cum per year) (Khasra No. 3/2), Village- Sanwaliyarundi, Tehsil-Ratlam, District-Ratlam (MP)**

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 3/2), Village- Sanwaliyarundi, Tehsil-Ratlam,

District-Ratlam (MP) 7.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री सैय्यद (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरीज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 812 दिनांक 17/04/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 13 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है, परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में 50 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक नाला स्थित है। अतः माननीय एनजीटी के ओए नं. 304/2019 एवं सीपीसीबी के दिशा निर्देश अनुसार खनन प्रक्रिया में ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम दूरी 200 मीटर की दूरी के स्थानवार मापदण्ड तय है, जिसके परिपालन में प्राकृतिक नाला से निर्धारित दूरी 200 मीटर छोड़ने के फलस्वरूप इस खदान में खनन योग्य कितना क्षेत्र उपलब्ध होगा एवं इनके संरक्षण हेतु कार्य योजना परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे। खदान क्षेत्र खुदा हुआ दिख रहा है अतः इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी का अभिमत ईआई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम ने पत्र क्रमांक 812 दिनांक 17/04/23 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त उत्खनिपट्टा को अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है:-

1. खदान के दक्षिण दिशा में 50 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक नाला स्थित है। अतः माननीय एनजीटी के ओए नं. 304/2019 एवं सीपीसीबी के दिशा निर्देश अनुसार खनन प्रक्रिया में ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम दूरी 200 मीटर की दूरी के स्थानवार मापदण्ड तय है, जिसके परिपालन में प्राकृतिक नाला से निर्धारित दूरी 200 मीटर छोड़ने के फलस्वरूप इस खदान में खनन योग्य कितना क्षेत्र उपलब्ध होगा एवं इनके संरक्षण हेतु कार्य योजना परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे।
2. खदान क्षेत्र खुदा हुआ दिख रहा है अतः इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी का अभिमत ईआई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर

- उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
  5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
  6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
  7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
  8. परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करे जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो ।

**16. Case No 9972/2023 Shri Subhash Chand Bansal, Designated Partner, M/s Signature Securities LLP, R/o Shop No. 209, Block-A6, LSC, DDA Market, Paschim Vihar, New Delhi-110056, Prior Environment Clearance for Bhadawar Dolomite Mines in an area of 4.430 ha. (50032 Tons per year) (Khasra No. 659), Village-Bhadawar, Tehsil-Badwara, District-Katni (MP)**

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 3/2), Village- Sanwaliyarundi, Tehsil-Ratlam, District-Ratlam (MP) 7.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

परियोजना प्रस्तावक श्री सुभाष चंद्र बंसल (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरीज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. आज दिनांक 23/06/23 को उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 414 दिनांक 13/03/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है, परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा में खदान क्षेत्र खुदा हुआ दिख रहा है अतः इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी से खदान कब से संचालित है का अभिमत ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करे । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-67 के सरल क्रमांक-19 पर दर्ज है । प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये क्षेत्र में कुछ अन्य खदानें परिलक्षित हैं तथा उक्त खदानों में ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः

पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के संबंध में जिला खनन् कार्यालय से इनकी स्थिति के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है ।

उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है:-

1. उत्तर-पश्चिम दिशा में खदान क्षेत्र खुदा हुआ दिख रहा है अतः इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी से खदान कब से संचालित है का अभिमत ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
2. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
3. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
4. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
5. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
6. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

**17. Case No 9855/2023 Shri Jaswant Rathore S/o Harvansh Singh Rathore R/o Sadar Bazar Bangal No. 1, Sadar Bazar Cantt, Tehsil & District Sagar (MP) Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.70 ha. (24605 Cum Per Year) (Khasra No. 40) Village-Jasoda, Tehsil-Shahgarh, District-Sagar (MP)**

प्रकरण आज दिनांक 23/06/23 को डिलिस्ट हेतु सूचीबद्ध था । परियोजना प्रस्ताव द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरण को डिलिस्ट न करते हुए जानकारी अपलोड करने हेतु 07 दिवस को समय दिये जाने का अनुरोध किया गया । समिति ने चर्चा उपरांत उक्त निवेदन को मान्य करते हुए प्रकरण को डिलिस्ट न करते हुए परियोजना प्रस्तावक को 07 दिवस में जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए ।

**18. Case No 9114/2022 M/s Banafar Granite Industries, Village - Prakash Bamhouri, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur, MP - 471510, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.416 ha. (45,000 cum per annum) (Khasra No. 1901, 1935, 1937, 1938), Village - Prakash Bamhauri, Tehsil - Gaurihar, Dist. Chhatarpur (MP)**

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

प्रकरण आज दिनांक 23/06/23 को डिलिस्ट हेतु सूचीबद्ध था । परियोजना प्रस्ताव द्वारा समिति को ई-मेल दिनांक 22/06/23 को प्रकरण में वांछित जानकारी प्राप्त करने में 02 दिन लगने की संभावना है, अतः प्रकरण को डिलिस्ट न करते हुए जानकारी अपलोड करने हेतु 07 दिवस को समय दिये जाने का अनुरोध किया गया । समिति ने चर्चा उपरांत उक्त निवेदन को मान्य करते हुए प्रकरण को डिलिस्ट न करते हुए परियोजना प्रस्तावक को 07 दिवस में जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए ।

### **19. Cases where PP has not submitted the desired information/pending since long/ remains absent from the SEAC meeting:**

Following cases were appraised in various SEAC meetings wherein online query/clarification was sought from PP but even after 30 days reply/response from the PP is awaited:

SN	Case No. Activity	SEAC Meeting details in which query/ clarification was sought from PP.
1.	<b>Case No 9909/2023</b> Shri Rajeev Gupta, M/s Raj Real Estate Developers, Ganesh Bhojnalaya Ke Samne, Dharamshala Road, District-Shivpuri (M. P.)-473551, Prior Environment Clearance for Kerua Sand Quarry in an area of 3.850 ha. (57750 Cum per annum) (Khasra No. 852) Village-Kerua, Tehsil-Narwar, District-Shivpuri (MP)	<b>Q-644<sup>th</sup> meeting dated 12/5/23</b>
2.	<b>Case No 9831/2023</b> Shri Sachin Malviya S/o Shri Rajaram Malviya, Lessee, R/o Bokarata, Tehsil-Pati, District-Barwani (MP)-488441, Prior Environment Clearance for Budi Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (20000 Cum per annum) (Khasra No. 216) Village-Budi, Tehsil-Pati, District-Barwani (MP) [419804]	<b>Q-642<sup>th</sup> meeting dated 04/5/23</b>
3.	<b>Case No 9817/2023</b> M/s Maa Narmada Associates Partner Shri Ravindra Singh, R/o Bus Stand Road, Mandla (MP)-481661, Prior Environment Clearance for Indri Sand Mine in an area of 4.680 ha. (13680 Cum per annum) (Khasra No. 719) Village-Indri, Tehsil-Nainpur, District-Mandla (MP) [424380]	<b>Q-638<sup>th</sup> meeting dated 18/4/23</b>
4.	<b>Case No 9811/2023</b> M/s Maa Narmada Associates Partner Shri Ravindra Singh, R/o Bus Stand Road, Mandla (MP)-481661, Prior Environment Clearance for Sand Quarry in an area of 1.00 ha. (4000 Cum per annum) (Khasra No. 228) Village-Gurarkheda, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP) [424379]	<b>Q-638<sup>th</sup> meeting dated 18/4/23</b>
5.	<b>Case No 9785/2023</b> Shri Vaibhav Jain, R/o 102, Prakash Talkies ke Samne, MG Road, Nagda, District-Ujjain (MP)-456335, Prior Environment Clearance for Banbana Stone Deposit in an area of 1.500 ha. (12370 Cum per annum) (Khasra No. 1268, 1269) Village-Banbana, Tehsil-Nagda, District-Ujjain (MP) [418960]	<b>Q-35<sup>th</sup> meeting dated 08/4/23</b>
6.	<b>Case No 9781/2023</b> Shri Jat Hameed S/o Shri Jat Musa, R/o Village-Bhanni, District-Seoni (MP)-480661, Prior Environment Clearance for Bhanni Stone Quarry in an area of 3.440 ha. (45129 Cum per annum) (Khasra No. 694/2/Kha, 695/1, 694/3/ Kha) Village-Bhanni, Tehsil-Vyohari, District-Shahdol (MP) [419663]	<b>Q-634th meeting dated 07/4/23</b>
7.	<b>Case No 9459/2022</b> M/s Pranavi Enterprises, Prop. Shri Pranya Kumar Singh R/o 354, 3rd Floor, Lekhraj Khajana, Indira Nagar, Lucknow (UP)-226016, Prior Environment Clearance for Pyrophyllite and Diaspore Mine in an area of 3.00 ha. (39330 TPA) (Khasra No. 79/2), Village - Kakaoni, Tehsil - Prithvipur, Dist. Niwari (MP) [266721]	<b>Q-627th meeting dated 03/3/23</b>



8.	Case No 7322/2020 Smt. Manju Singh W/o Shri Narendra Bahadur Singh, R/o Bamhangawan, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna, MP Prior Environment Clearance for Laterite Quarry in an area of 5.70 ha. (18530 cum per annum) (Khasra No. 2P), Village - Bihra, Tehsil - Kotar, Dist. Satna (MP) [52153]	Q-623th meeting dated 03/3/23
----	--	-------------------------------

## 20. अध्यक्ष महोदय के अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर चर्चा:

### (अ) जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला— रतलाम रेत खनिज (संशोधित)

खनिज अधिकारी सुश्री अकांक्षा वर्मा द्वारा आज दिनांक 23/06/2023 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट रेत खनिज (संशोधित) को ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया। खनिज अधिकारी द्वारा बताया गया कि रेत खदानों की कुछ खदानों की लंबाई-चौड़ाई और गहराई में अंतर आ रहा है।

समिति ने चर्चा उपरांत खनिज अधिकारी को निर्देश दिये कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 के निर्धारित प्रपत्र अनुसार जिले की गठित समिति से संशोधित/अनुमोदित की जाकर नियमानुसार जिला पोर्टल पर आमजन के दावा/आपत्ति का निराकरण के साथ डी.एस.आर. तैयार कर पुनः समिति के समक्ष हार्ड के साथ खनिज अधिकारी प्रस्तुत करें।

### (ब) जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला— मुरैना रेत खनिज (संशोधित)

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट रेत खनिज (संशोधित) कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना के पत्र क्रमांक 626 दिनांक 07/06/23 के द्वारा प्रस्तुत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट रेत खनिज (संशोधित) जिला प्रभारी खनिज अधिकारी श्री एस.के. निर्मल द्वारा ऑनलाईन प्रस्तुत की गयी। खनिज अधिकारी द्वारा बताया कि जिले की 01 खदान को तीन भागों में विभाजित किया है जिससे उनके अक्षांश-देशांश एवं रकबा में परिवर्तन आ रहा है। समिति ने परीक्षण उपरांत खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि संशोधित जानकारी समाहित करते हुये पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 में निर्धारित प्रपत्र अनुसार जिले की गठित समिति से संशोधित/अनुमोदित की जाकर नियमानुसार जिला पोर्टल पर आमजन के दावा/आपत्ति का निराकरण के साथ डी.एस.आर. तैयार कर पुनः समिति के समक्ष हार्ड के साथ खनिज अधिकारी प्रस्तुत करें।

(चंद्र मोहन ठाकुर)  
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)  
अध्यक्ष

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June ) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi ) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
  - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
  - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

### **Annexure- 'B'**

#### **Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\***

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4<sup>th</sup> or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M. of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - j. Minalable Potential of sand mine.
  - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - l. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
  - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
  - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
  - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
  - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
  - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
  - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
  - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
  - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

### **Annexure- ‘C’**

#### **Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries\***

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - p. Movable Potential of sand mine.
  - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

### **Annexure- 'D'**

#### **General conditions applicable for the granting of TOR**

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.



# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2<sup>nd</sup> August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
  - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
  - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
  - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
  - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
  - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

- ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
- ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
- ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
- ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
- ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
- ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

**FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.**

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

**खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-**

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्लिचंग जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ों के चारों ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ ऑगनवाडी/ पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणों के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिंग/ ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जाये ।
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/ नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड़ साईड/ स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/ जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधों के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।

# 656वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

## दिनांक 23 जून 2023

- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

नोट – 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास प्रजातियाँ ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घास प्रजातियाँ, खस घास अगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीट
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर